Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 03 August 2024

Dainik Jagran Page - 02, 04, 06

एमएमयूटी व गोविंद मिलकर करेंगे अध्ययन-अध्यापन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय आपसी समन्वय से छात्र में ज्ञान विस्तार कर सकेंगे। इस क्रम में दोनों विश्वविद्यालय एक-दूसरे संसाधनों का उपयोग करेंगे। साथ ही छात्रों के भविष्य अध्ययन के लिए शिक्षकों को आदान-प्रदान भी करेंगे। इसी लक्ष्य को सोमवार के यहां एमएमयूटी के कुलपति प्रो. गोविंद जैसवाल और गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहनी गुप्ता के बीच हुई बैठक में हस्ताक्षरित किया।

इस अवसर पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहनी गुप्ता ने कहा कि हम अध्यापन को व्यावहारिक बनाने के लिए एमएमयूटी के साथ मिलकर काम करने में विद्यार्थियों, शोधार्थी, अध्यापकों को भी लाभ पहुंचाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. उमेश यादव, प्रो. रविशंकर सिंह, प्रो. सोनी गुप्ता, प्रो. अनिल कुमार, प्रो. अमरनाथ मौर्य, प्रो. अमरनाथ पांडेय, प्रो. रविशंकर सिंह, प्रो. पवन कुमार, प्रो. प्रेमशंकर सिंह, प्रो. अमरनाथ पांडेय आदि मौजूद रहे।

- अकादमिक सहयोग के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अनुबंध
- एक-दूसरे के संसाधनों का कर सकेंगे उपयोग

लोककला व जीवन अलग करना मुश्किल

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: गवई विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. गिरिजेश मिश्र ने कहा है कि लोककला और जीवन को अलग करना मुश्किल होता है। लोक कला और जीवन एक दूसरे से इतने घुले मिले होते हैं कि उनको अलग करना मुश्किल होता है। लोककला को अभिव्यक्ति दिशों के माध्यम से आकर्षी से होती है। लोककला की अभिव्यक्ति का सबसे पुष्ट माध्यम है लिखना।

प्रो. मिश्र बुधवार को दिउरा चौक स्थित हाउस गणित इन के सभागार में सांस्कृतिक संस्था पुरवाई कला की ओर से आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। लोक कला विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने लोक चित्रकला के क्षेत्र में डा. राजीव कलम

स्थापित हो गया है। इसी प्रकार लोक गायन, लोक नृत्य, लोकगाथा और लोक वाद्य यंत्रों के बारे में उन्होंने विस्तार से चर्चा की। इसमें विभागों के अध्यक्ष प्रो. रविशंकर सिंह, प्रो. अमरनाथ मौर्य, प्रो. अमरनाथ पांडेय, प्रो. रविशंकर सिंह, प्रो. पवन कुमार, प्रो. प्रेमशंकर सिंह, प्रो. अमरनाथ पांडेय आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala Page - 06, 07

अंतिम वर्ष में नहीं देनी होगी माइनर व को-करिकुलर परीक्षा

कक्षा 3500 विद्यार्थी आखिरी सेमेस्टर में हो गए थे फेल, फेस गई थी दिक्कत

संवाद न्यूज रूमनी

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संघट्ट महाविद्यालयों के लिए खुश है खबर है। उन्हें अब अंतिम वर्ष में परिस्थिति मेरा माइनर, कोकरिकुलर और को-करिकुलर विषयों की परीक्षा नहीं देनी होगी। यह फैसला अकादमिक सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों पर लागू होगा।

विश्वविद्यालय में अभी तक पहले सेमेस्टर से अंतिम सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के योजनों पर्यो में माइनर, को-करिकुलर विषय की परीक्षाओं को पहले और बीच में दिया जाता था। इसमें कुछ विद्यार्थी फेल हो जाते थे। इसके कारण उन्हें साल बर्बाद हो जाता था।

वहीं कक्षा 3500 छात्र-छात्राएं आखिरी सेमेस्टर में फेल हो गए थे। इसकी वजह से इनकी डिग्री पर संकट खड़ा हो गया था। अगले ऐसी समस्या न हो इसके लिए अब स्नातक के पहले से वर्षों और सेमेस्टर में पहले वर्ष में ही यह विषय परीक्षा ले लिया है।

सत्र 2023-24 में परीक्षा देने वाले छात्रों को इसका लाभ मिलेगा। इस बार परीक्षा 3 अगस्त से शुरू होगी। इसमें 3500 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इनमें 3500 छात्र-छात्राएं आखिरी सेमेस्टर में फेल हो गए थे। इनमें से कुछ छात्र-छात्राओं को माइनर, को-करिकुलर विषय की परीक्षा देनी होगी। इस बार परीक्षा 3 अगस्त से शुरू होगी। इसमें 3500 छात्र-छात्राएं शामिल हैं